SB NEWS
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता...
3 इस समय भूलकर भी न पीएं पानी...
4 बाइक चोरी मामले में चौकी पूंडरी पुलिस द्वारा...

वर्ष: 9 | अंक: 163 | दिल्ली, मंगलवार, 8 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

'टुकड़े-टुकड़े गैंग का फ्यूज बल्ब बिहार में फिट नहीं कर पाएँगे राहुल गांधी', सम्राट चौधरी

पटना (एजेन्सी)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गाँधी फूटी लालटेन लेकर टुकड़े-टुकड़े गैंग का एक फ्यूज बल्ब बिहार में फिट नहीं कर पाएंगे और न उनकी यात्रा से कांग्रेस का अंधेरा दूर होगा। वे अँधेरे में हाथ-पैर मारते रह जाएंगे। देश कांग्रेस को नकार चुका है। नवादा जिला के सिरदला प्रखंड अंतर्गत ग्राम लौन्द में चक्रवर्ती सम्राट अशोक की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि बिहार को गरीब-पिछड़ा बनाने का पाप तो कांग्रेस और राजद के दो प्रथम परिवारों ने मिलकर किया। आज वे मिलकर घड़ियाली आँसू बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पार्टी राज्य से सामूहिक पलायन, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार और दलितों के नरसंहार तक में लालू प्रसाद के साथ खडी थी, उसके नेता राहुल गांधी को इन अत्याचारों के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि भागलपुर का सबसे भयानक दंगा किसकी सरकार के समय हुआ था? हिम्मत होती तो वे अपनी यात्रा बेगूसराय नहीं , भागलपुर से शुरू करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आज सबसे तेज विकास करने वाला राज्य है, राज्य में निवेश बढ रहा है और 2.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार विधान सभा चुनाव तक 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य पूरा कर देगी। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि तेज ढांचागत विकास, कृषि रोडमैप, बाढ नियंत्रण और छोटे शहरों को विमान सेवा से जोड़ने जैसी योजनाएँ लागू होने से जब लोग बिहार लौट रहे हैं, तब पलायन कोई मुद्दा ही नहीं है।

सड़क पर बस के पलट जाने से एक बच्चे समेत दो यात्रियों की मौत

देहरादून (एजेन्सी)। देहरादून जिले के सहसपुर में सोमवार को एक वाहन से टकराकर बस के सड़क पर पलट जाने से एक बच्चे समेत दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने यहां बताया कि विकासनगर से देहरादून आ रही बस सहसपुर के सिंहनीवाला क्षेत्र में एक मालवाहक वाहन से टकराकर सड़क पर पलट गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा एक व्यक्ति और एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि 14 घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। अभी मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पायी है।

नोएडा के सेक्टर 49 में दो दुकानों में आग लगी

नोएडा (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जनपद के सेक्टर 49 स्थित एक दुकान में सोमवार दोपहर को अज्ञात कारण से भयंकर आग लग गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। दमकल सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस घटना में दो दुकानें जलकर खाक हो गईं। मुख्य दमकल अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे फायर पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 49 में एक दुकान में आग लगी है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। चौबे ने बताया कि इस घटना में दो दुकानें जल गईं, जबकि तीन को जलने से बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सीएफओ ने बताया कि जांच में पता चला है कि दुकान के ऊपर से बिजली की तार जा रही थी, जो टूटकर नीचे गिरी, जिसकी वजह से आग लगी है। उन्होंने बताया कि आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। बरोला गांव स्थित दुकान में लगी आग से आसपास के क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई।

आसाराम को 30 जून तक मिली अंतरिम जमानत

जोधपुर (एजेन्सी)। जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय ने सोमवार को बलात्कार के एक मामले में स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम की अंतरिम जमानत 1 जुलाई तक बढ़ा दी। 31 मार्च को अपनी अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद आसाराम ने 1 अप्रैल को जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनीत कुमार की खंडपीठ ने आसाराम के अनुरोध को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित शर्तों को बरकरार रखा। इन शर्तों में प्रवचन देने या अपने अनुयायियों के साथ सभा करने पर प्रतिबंध शामिल है। आसाराम की याचिका पर 2 अप्रैल को सुनवाई हुई, जिस दौरान प्रतिवादी के वकील पी.सी. सोलंकी ने जमानत अवधि बढ़ाने पर आपत्ति जताते हुए तर्क दिया कि आसाराम ने इंदौर स्थित अपने आश्रम में अपने भक्तों के लिए प्रवचन आयोजित करके अपनी जमानत शर्तों का उल्लंघन किया है। सोलंकी ने अपने दावों के समर्थन में अदालत में वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके बाद अदालत ने आसाराम से हलफनामा मांगा।

मुंबई में भारतीय नौसेना जल कौशल प्रशिक्षण केंद्र, कोलाबा में तीनों सेनाओं के महिला नौकायन अभियान की झलकियाँ। (स्त्रोत: पीआईबी)

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट जारी करने में गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई: सीएम रेखा गुप्ता

'दिल्ली में जल्द लागू होगा पेपरलेस प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन'

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के सभी राजस्व जिलों के जिलाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान दिल्ली के सभी 11 राजस्व जिलों के जिलाधिकारी मौजूद रहे। इस उच्च स्तरीय बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व जिलों में प्रशासनिक और विकासात्मक प्रगति की समीक्षा करना, स्थानीय मुद्दों का समाधान करना तथा विभागों के बीच समन्वय को सुदृढ़ बनाना रहा। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इस बैठक में प्रशासनिक कार्यों की प्रगति, जनसेवा के कार्य, भूमि संबंधी विवादों, अतिक्रमण की स्थिति, भू-स्वामित्व रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, आपदा प्रबंधन तैयारियों और राजस्व कार्यालयों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सभी ज़िलाधिकारियों को क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और जनता से संवाद करने के निर्देश दिए गए है।

बैठक के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के सभी राजस्व जिलों के जिलाधिकारियों के साथ आज की समीक्षा बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इस बैठक में नागरिक सेवाओं की स्थिति, ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की प्रगति, जन शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया, भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आपदा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी सेवाएं पारदर्शी, समयबद्ध और नागरिकों की सुविधा को केंद्र में रखकर प्रदान की जाएँ। जनहित से जुड़ी हर प्रक्रिया में जवाबदेही और संवेदनशीलता जरूरी है। राजस्व विभाग आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई अहम निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा, "दिल्ली की जनता को एक ऐसी प्रणाली चाहिए जो सुने, समझे और त्वरित कार्रवाई करे। इसी दृष्टिकोण के तहत सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जिले में सप्ताह में कम से कम एक बार जन सुनवाई कैंप लगाया जाए, ताकि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति के बारे में स्पष्ट किया कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्रों को जारी करने में पाई जाने वाली अनियमितताओं की त्वरित जांच की जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि राजस्व विभाग आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्धता और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि झुग्गी क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण की जाए और लोगों की बुनियादी जरूरतों की सुनिश्चितता की जाए। सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विकास कार्यों की 15 दिन के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी और यूजर फ्रेंडली बनाने के लिए ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल को अपग्रेड किया जाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार के द्वारा जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यवाही के लिए सभी जरूरी संसाधनों और मानवबल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है ताकि दिल्ली को अधिक सुचारु, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सके।

डीएवी संस्था राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और संस्कृति के समन्वय की मिसाल है: सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता डीएवी कॉलेज प्रबंधक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम संकल्प से सिद्धि-नया सत्र, नई ऊर्जा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि डीएवी संस्था शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को ऊर्जा देने वाली एक ऐसी संस्था है , जो विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशीलता और सामाजिक ज़िम्मेदारी कि भावना को भी उजागर करती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीएवी संस्थान की 140 वर्षों की गौरवपूर्ण परंपरा की सराहना करते हुए इसे व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला करार दिया। उन्होंने कहा कि महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती के वैदिक सिद्धांतों व आदर्शों पर आधारित 1886 में स्थापित डीएवी संस्थान आधुनिक ज्ञान और प्राचीन वेदों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करती है, जिसने शिक्षा को केवल अकादमिक उपलब्धि न मानकर राष्ट्र के चरित्र निर्माण का माध्यम बनाया है। यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण हेतु वैचारिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त रूप से संजोए हुए है। देशभर में 1000 से अधिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से 23 राज्यों में शिक्षा का दीप जलने वाली यह संगठन न केवल अकादमिक उत्कृष्टता, बल्कि नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और समग्र व्यक्तित्व विकास पर भी बल देती है, जिससे विद्यार्थियों को जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक बनाने का कार्य किया जा रहा है।

इस प्रतिष्ठित संस्था से शिक्षा प्राप्त करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी–लाला लाजपत राय, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद से लेकर, अटल बिहारी वाजपेयी और महेंद्र सिंह धोनी जैसी विशिष्ट हस्तियों ने न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन प्रतिभाओं का योगदान समाज और राष्ट्र दोनों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी विकसित भारत 2047 का सपना लेकर राष्ट्र को अग्रसर कर रहे हैं, ऐसे में डीएवी जैसी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीएवी संस्था न केवल ज्ञान का केंद्र है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला भी है। दिल्ली सरकार की शिक्षा-नीति की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष के बजट का 19.29% भाग शिक्षा को आवंटित किया गया है। दिल्ली सरकार समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। हमारी सोच में शिक्षा केवल अकादमिक सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। सरकार का लक्ष्य ऐसे छात्रों का निर्माण करना है जो न केवल ज्ञान में दक्ष हों, बल्कि उत्तम चरित्र, संवेदनशील सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से भी युक्त हों।

कार्यक्रम का समापन करते हुए मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों को यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि हम शिक्षा के माध्यम से न केवल अपने जीवन को, बल्कि देश के भविष्य को भी उज्ज्वल बनाएँगे और विकसित दिल्ली में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों के समक्ष 26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

(एजेन्सी)।

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के सामने 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें तीन इनामी नक्सली भी शामिल हैं। राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के सरकार के प्रयासों के बीच यह कदम उठाया गया है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ों की एक श्रृंखला देखने को मिली है, जिसमें कई उग्रवादियों को मार गिराया गया है। हालांकि, एक सकारात्मक बदलाव यह भी देखने को मिला है कि अब कई नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय के अनुसार, नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया और खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा से अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने जंगल में रहने की कठिनाइयों और प्रतिबंधित संगठन के भीतर आंतरिक संघर्षों को हथियार डालने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली माओवादियों के जनमिलिशिया, क्रांतिकारी पार्टी समिति (आरपीसी) और जनताना सरकार विंग और दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन (डीएकेएमएस) और चेतना नाट्य मंडली (सीएनएम) जैसी उनकी अग्रणी इकाइयों से संबंधित थे। अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से राजेश कश्यप, जो आमदई क्षेत्र के जनमिलिशिया कमांडर के रूप में काम करता था, पर 3 लाख रुपये का इनाम था।

हरजोत बैंस द्वारा मोहाली के तीन सरकारी स्कूलों में 2.34 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/एसएएस नगर। विद्यार्थियों के लिए व्यापक और ज्ञानवर्धक शैक्षणिक अनुभव को प्रोत्साहित करते हुए, पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने सोमवार को एसएएस नगर (मोहाली) ज़िले के तीन सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 2.34 करोड़ रुपए से अधिक लागत की नई विकसित बुनियादी ढांचे संबंधी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि 'शिक्षा क्रांति' विकास पहल के तहत ज़िले के 89 स्कूलों में बड़ा ढांचागत बदलाव किया गया है।

'शिक्षा क्रांति' के पहले दिन विभिन्न ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए स बैंस ने डेराबस्सी स्थित स्वर्गीय गुरनाम सिंह सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 1.70 करोड़ रुपए की लागत से मरम्मत किए गए ब्लॉक ए और सी तथा 10 लाख रुपए की लागत से स्थापित एक अत्याधुनिक मिनी साइंस सेंटर का उद्घाटन किया। यह साइंस सेंटर आधुनिक शिक्षण साधनों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य स्टेम शिक्षा के प्रति उत्साह पैदा करना है। इसके अतिरिक्त, 5.65 लाख रुपए की लागत से लड़कियों के लिए बने नए टॉयलेट ब्लॉक का भी उद्घाटन किया गया।

स्कूल ऑफ एमिनेंस, फेज-11, एसएएस नगर में शिक्षा मंत्री ने 13.99 लाख रुपए की लागत से बनी नई चारदीवारी का उद्घाटन किया और स्कूल में खेल मैदान के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की ग्रांट देने की घोषणा भी की। माजरी के पास स्थित शहीद लेफ्टिनेंट बिक्रम सिंह सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, स्यालबा में शिक्षा मंत्री ने 5.75 लाख रुपए की लागत से बनी नई चारदीवारी और 26.66 लाख रुपए की लागत से बने तीन नए क्लासरूम का उद्घाटन किया। इस ढांचागत विस्तार का उद्देश्य स्कूल की क्षमता बढ़ाना और विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण माहौल प्रदान करना है। मौजूदा कक्षाओं का भी 2 लाख रुपए की लागत से नवीनीकरण किया गया है ताकि पढ़ाई के लिए और अधिक अनुकूल वातावरण बनाया जा सके। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि स्कूल में 33 लाख रुपए की लागत से एक नई प्रयोगशाला बनाई जा रही है।

बैंस ने यह भी बताया कि आज मोहाली ज़िले के बिशनगढ़, बिशनपुरा, खेड़ा, माजरी, फेज-7 और फेज-2 स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूलों में 42.36 लाख रुपए की लागत की ढांचागत परियोजनाएं समर्पित की गई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की "शिक्षा क्रांति" पहल के अंतर्गत एसएएस नगर ज़िले के 89 स्कूलों को नया स्वरूप दिया गया है। यह राज्य सरकार की विद्यार्थियों को एक अनुकूल और प्रभावी शैक्षिक अनुभव देने की अटल प्रतिबद्धता को दशार्ने के साथ-साथ राज्य के हर बच्चे के सपनों को साकार करने का प्रयास है।

डेराबस्सी से विधायक श्री कुलजीत सिंह रंधावा, मोहाली से विधायक श्री कुलवंत सिंह और मोहाली ज़िले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन कार्यक्रमों के दौरान मौजूद रहे।

इसी दौरान, शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने आज पंजाब की शिक्षा क्रांति के तहत रूपनगर ज़िले के चार सरकारी स्कूलों में 1.23 करोड़ रुपए से अधिक की बुनियादी ढांचे संबंधी परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

उन्होंने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लुठेड़ी में 60.6 लाख रुपए की लागत से बनी चारदीवारी, आधुनिक भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान, ट्रैक और कक्षाएं समर्पित कीं।

शिक्षा मंत्री ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, नंगल सरसा में 10 लाख रुपए की लागत से बनी चारदीवारी और 5 लाख रुपए की लागत से पूर्ण हुई सरकारी प्राइमरी स्कूल, नंगल सरसा की 100 मीटर लंबी चारदीवारी का भी उद्घाटन किया।

शिक्षा मंत्री ने रूपनगर से विधायक एडवोकेट दिनेश कुमार चड्ढा के साथ ब्लॉक नूरपुर बेदी के गांव चनौली बसी स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल में 37 लाख रुपए की लागत से हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें 11 लाख रुपए की लागत से एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला, 1.18 लाख रुपए की लागत से लड़कियों के लिए टॉयलेट ब्लॉक, 15 लाख रुपए की लागत से स्कूल की 300 मीटर लंबी चारदीवारी और हॉल कमरे का नवीनीकरण तथा 10 लाख रुपए की लागत से साइकिल स्टैंड के लिए शेड का निर्माण शामिल है। इसके अलावा, सरकारी प्राइमरी स्कूल, चनौली बसी में 9.55 लाख रुपए की लागत से नए कक्ष और 1.60 लाख रुपए की लागत से चारदीवारी भी बनाई गई है।

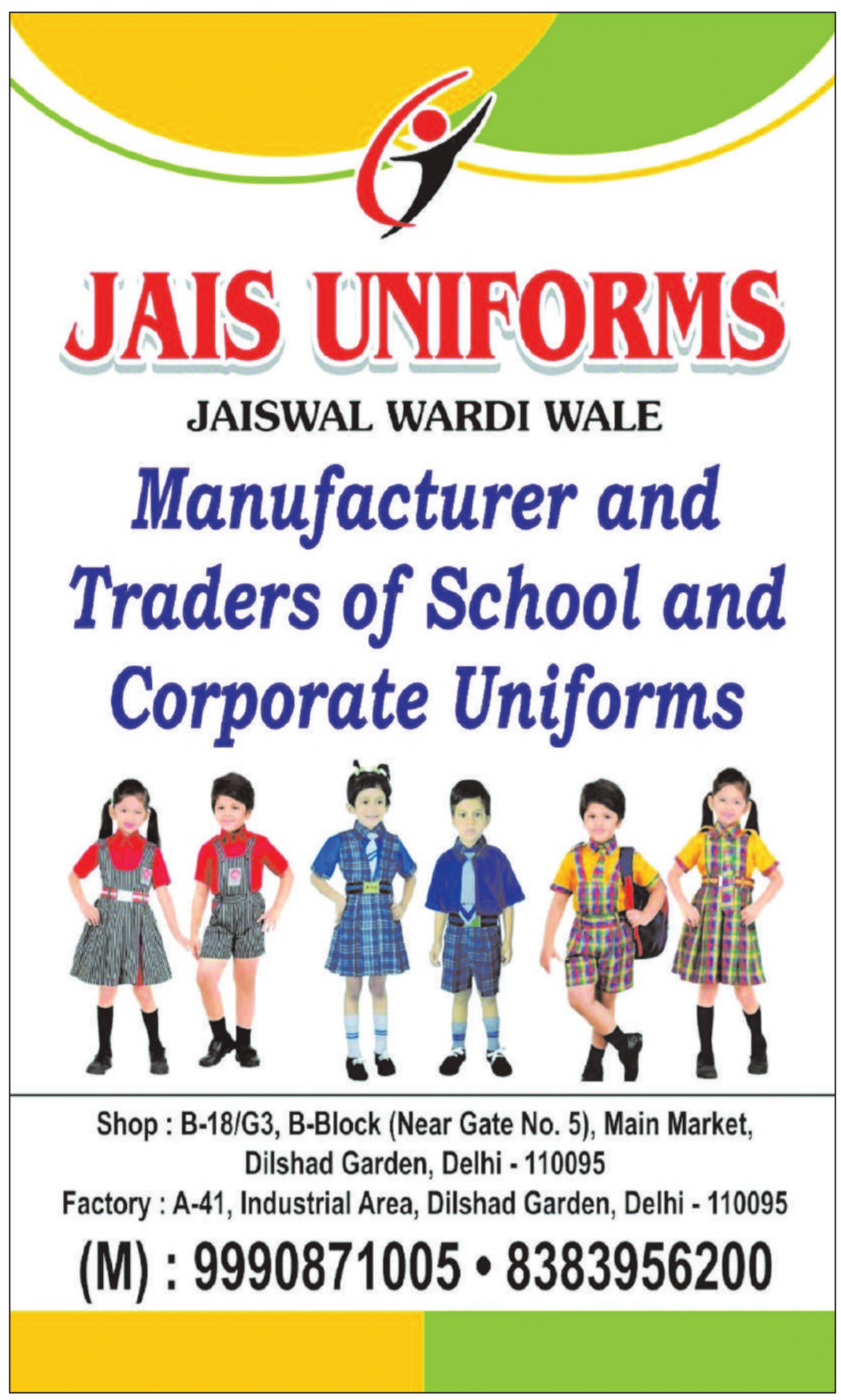

सम्पादकीय

टैरिफ युद्ध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों। वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय। यदि ऐसा होता है तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। अतः ट्रम्प प्रशासन का टैरिफ सम्बंधी उक्त निर्णय अति जोखिम भरा ही कहा जाएगा। जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी तो भारत की अर्थव्यवस्था पर भी कुछ तो विपरीत असर होगा ही। इस संदर्भ में किए गए विश्लेषण से यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि बहुत सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए 26 प्रतिशत के टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव नहीं हो। क्योंकि, एक तो भारत से अमेरिका को निर्यात बहुत अधिक नहीं है। यह भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का मात्र लगभग 3-4 प्रतिशत ही है। वैसे भी भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर नहीं है एवं यह विभिन्न उत्पादों की आंतिरक मांग पर अधिक निर्भर है। भारत से सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16 प्रतिशत (वस्तुएं एवं सेवा क्षेत्र मिलाकर) ही निर्यात किया जाता है। दूसरे, भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने कुछ उत्पादों को उक्त टैरिफ व्यवस्था से फिलहाल मुक्त रखा गया है, जैसे फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, स्टील, अल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, बुलीयन, एनर्जी आदि। संभवतः इन उत्पादों के भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुछ भी असर नहीं होने जा रहा है। तीसरे, भारतीय कम्पनियों (26 प्रतिशत टैरिफ) को रेडीमेड गर्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात में पड़ौसी देशों, यथा, बांग्लादेश (37 प्रतिशत टैरिफ), पाकिस्तान (29 प्रतिशत टैरिफ), श्रीलंका (44 प्रतिशत टैरिफ), वियतनाम (46 प्रतिशत टैरिफ), चीन (34 प्रतिशत टैरिफ), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत टैरिफ), आदि के साथ अत्यधिक स्पर्धा का सामना करना पड़ता है। परंतु, उक्त समस्त देशों से अमेरिका को होने वाले रेडीमेड गार्मेंट्स के निर्यात पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की गई है। अतः इन देशों से रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात भारत की तुलना में महंगे हो जाएंगे, इससे रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में भारत के लिए लाभ की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कृषि उत्पादों के निर्यात भी भारत से अमेरिका को बढ़ सकते हैं। यदि किन्हीं क्षेत्रों में भारत को नुक्सान होता हुआ दिखाई भी देता है तो भारत के विश्व के अन्य देशों के साथ बहुत अच्छे राजनैतिक संबंधो के चलते भारत को अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है

-ललित गर्ग

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचचाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत ने विभिन्न देशों से मुक्त व्यापार समझौते करने में बढ़ाई दिलचस्पी

अमेरिका द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने से कपड़ा और परिधान, खनिज पेट्रोलियम, कृषि, मांस, प्रसंस्कृत पैकेट, प्लास्टिक सामान, मेडिकल, चमड़ा, कागज, हीरे, सोना, स्वर्ण उत्पाद, स्टील और धातु, मशीन, कम्प्यूटर, रसायन, फार्मा, इलेक्ट्रिक उत्पाद और टेलिकॉम आदि क्षेत्रों पर सर्वाधिक असर पड़ेगा, इसलिए भारत सरकार इनकी वैकल्पिक राह आसान बनाने में जुटी हुई है

-कमलेश पांडेय

भारत ने दो देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते करने में दिलचस्पी दिखाई है, ताकि उसके कारोबारियों को भी द्विपक्षीय व्यापार के फायदे मिल सकें। जानकारों का कहना है कि भारत अमेरिका समेत ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, ओमान, कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, श्रीलंका आदि देशों के साथ मुक्त व्यापार और द्विपक्षीय कारोबार समझौतों पर वार्ता कर रहा है, जो यदि सफल हुआ तो इससे हासिल नए बाजार में भारत के छोटे उद्योगों को लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा करार मिलेंगे। समझा जाता है कि इससे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाये गए जवाबी आयात शुल्क भी बेअसर हो जाएंगे।

इस बारे में आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि यदि लक्षित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को करने में भारत सफल हो जाता है तो न केवल सीमा शुल्क में कमी आएगी, बल्कि उन्हें खत्म भी किया जा सकता है। इससे वहां के बाजारों तक भारतीय मालों की पहुंच भी आसान हो जाएगी। इसके अलावा सम्बन्धित देशों के बीच व्यापार की गति तेज होगी और वहां होने वाले निवेश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। साथ ही, बौद्धिक संपदा की रक्षा संभव हो सकेगी। विभिन्न सेवाओं का व्यापार भी बढ़ेगा। इससे जहां उन देशों के साथ लॉजिस्टिक लागत कम आएगी, वहीं छोटे व्यवसायों को बम्पर मौके मिलेंगे।

यही वजह है कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए जवाबी टैरिफ यानी आयात शुल्क के बीच भारत ने दुनिया के बाकी देशों के साथ जारी व्यापार समझौतों की गति तेज कर दी है। बहरहाल भारत सरकार की कोशिश है कि न केवल अमेरिका के साथ द्विपक्षीय समझौता तेजी से पूरा हो, बल्कि यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, ब्रिटेन जैसे अन्य देशों के साथ भी मुक्त व्यापार (एफटीए) और द्विपक्षीय समझौतों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने अपनी ओर से ततपरता बढ़ा दी है ताकि भारतीय मालों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 प्रतिशत आयात शुल्क (अमेरिकी रेसिप्रोकल टैक्स) का न्यूनतम असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़े। समझा जाता है कि भारत सरकार की इस विषयक सफलता से भारत के उद्यमियों को अन्य देशों के साथ मिलकर कारोबार करने का मौका मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि मौजूदा वक्त में अमेरिकी व्यापार नीतियों के परिवर्तित स्वरूप को देखते हुए अन्य देशों ने भी भारत के साथ चल रहे व्यापार समझौतों को लेकर जारी वार्ता में तेजी लाने की इच्छा जताई है, जिसे भारतीय प्रशासन ने भी हरी झंडी दे दी है। उल्लेखनीय है कि फिलवक्त भारत द्वारा न्यूजीलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू), ओमान, पेरू, कतर, और श्रीलंका जैसे 20 से अधिक देशों के साथ भी व्यापार समझौतों पर वार्ता की जा रही है, जिसके सार्थक परिणाम शीघ्र मिलने की उम्मीद है। इनमें अमेरिका, कतर, ओमान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ जारी वार्ता को अच्छी खासी प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि इसके सार्थक परिणाम भी बहुत जल्द ही सामने आएं। वहीं, इस बात के प्रबल आसार हैं कि जल्द से जल्द ही इन समझौतों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। क्योंकि अब इन्हीं के जरिए भारत बाकी देशों के साथ मिलकर व्यापार के नए अवसर तलाशने की कोशिश कर रहा है। जानकार बताते हैं कि भारत ऑस्ट्रेलिया समेत 13 देशों से इस बाबत पहले ही समझौते कर चुका है। भारत ने विभिन्न देशों/क्षेत्रों अर्थात जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान क्षेत्र के देशों और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया के साथ 13 क्षेत्रीय व्यापार समझौते (आरटीए)/मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि जानकारों का कहना है कि व्यापार समझौतों के जरिए आगे बढ़ने के अवसर हैं, लेकिन इसी के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिन्हें समझे जाने की जरूरत है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भले ही भारत ने कुछ दक्षिण एशियाई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किये हैं, लेकिन अब चीन उन देशों में अपनी इकाई लगाकर भारत को माल भेज रहा है, जिसे रोके जाने के कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। या फिर ऐसे मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर भी सजग रहना होगा, अन्यथा भारत के राष्ट्रीय हितों को नुकसान तय है।

बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने से कपड़ा और परिधान, खनिज पेट्रोलियम, कृषि, मांस, प्रसंस्कृत पैकेट, प्लास्टिक सामान, मेडिकल, चमड़ा, कागज, हीरे, सोना, स्वर्ण उत्पाद, स्टील और धातु, मशीन, कम्प्यूटर, रसायन, फार्मा, इलेक्ट्रिक उत्पाद और टेलिकॉम आदि क्षेत्रों पर सर्वाधिक असर पड़ेगा, इसलिए भारत सरकार इनकी वैकल्पिक राह आसान बनाने में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि दो देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के जरिए व्यापार को सुगम बनाया जाता है। क्योंकि समझौते के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार करना आसान हो जाता है। इस तरह के समझौते के दृष्टिगत दोनों देश मिलकर अपने कारोबारियों व कम्पनियों को आयात शुल्क मुक्त या फिर एक निर्धारित न्यूनतम शुल्क के जरिए वस्तुओं एवं सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित कराते हैं। इसके साथ ही लॉजिस्टिक, भुगतान गारंटी व व्यापार से जुड़ी अन्य सुविधाएं मिलती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को लेकर साल 2022 से लेकर अबतक 14 दौर की चर्चा संपन्न हो चुकी है, जिसके बाद अब वार्ता में पुनः तेजी दृष्टिगोचर हुई है। वहीं, भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच जल्द ही एफटीए वार्ता को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है। वहीं भारत और ओमान के बीच सीईपीए को लेकर आधिकारिक तौर पर वार्ता नवंबर 2023 में शुरू हुई थी, जिसके मद्देनजर अब समझौता जल्द करने की तैयारी है और उसे अंतिम रूप देने की कोशिशें परवान चढ़ रही हैं। वहीं भारत और यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार संघ के बीच यानी भारत, आइसलैंड, नार्वे, स्विट्जरलेंड, लिकटेंस्टीन के बीच एक टीईपीए समझौता हुआ है, जिसे और व्यापक बनाने की पहल जारी है। वहीं, भारत और कतर के बीच एफटीए करने की बात चल रही है, जिसके तहत दोनों देश अगले पांच वर्षों में अपने व्यापार को दुगुना यानी 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता जता चुके हैं। वहीं, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए प्रस्तावित है, जिसको लेकर 10 वर्षों बाद फिर से बातचीत शुरू हुई है। क्योंकि दोनों देश अब जल्द से जल्द इस समझौता को पूरे करने के पक्ष में हैं। वहीं, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता को लेकर बातचीत चल रही है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक व्यापार को दुगुना करके 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। दरअसल, उपर्युक्त देशों के साथ चल रही एफटीए, सीईपीए, टीईपीए वार्ता को यदि जल्दी ही लक्षित मुकाम मिल जाता है तो दोनों देशों के बीच आयात कर (टैरिफ) कम किया जाएगा या पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, इससे व्यापार सस्ता हो जाएगा। यही नहीं, आयात की सीमाएं यानी कोटा लाइसेंस और तकनीकी नियमों को कम कर वस्तुओं और सेवाओं को सम्बन्धित दूसरे देशों में बेचना आसान हो जाएगा। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच सीमा शुल्क की प्रक्रियाएं आसान हो जाएंगी, कागजी काम कम होंगे और सामान को एक देश से दूसरे देश में ले जाने में समय और लागत दोनों घट जाएगी। इसके अतिरिक्त विदेशी कम्पनियों का पैसा सुरक्षित रहता है और यदि कोई विवाद होता है तो उसे सुलझाने के लिए कानूनी तरीके उपलब्ध होते हैं। वहीं, पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क जैसी चीजों को संरक्षण मिलता है, ताकि नए आविष्कार करने वालों और रचनाकारों के अधिकार सुरक्षित रहें। जबकि बैंकिंग, टेलीकॉम और पेशेवर सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नियम आसान करके इनका व्यापार बढ़ाया जाता है। सरकार उद्योगों को लॉजिस्टिक सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं, जिससे उनके लिए यह लागत कम हो जाती है। इससे छोटी कम्पनियों और व्यापारियों को भी विदेश में सामान बेचने का मौका मिलता है, जो पहले सिर्फ बड़ी कम्पनियों तक सीमित था। यही वजह है कि सभी सरकारें दिलचस्पी वाले देशों में मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ावा देती हैं और द्विपक्षीय व्यापार समझौते करती हैं। इस प्रकार दुनियावी अर्थव्यवस्था में तेजी से अपनी जगह बनाते जा रहे भारत के व्यापार के लिए विभिन्न दरवाजे स्वतः खुल जाएंगे, जिससे हमारे उद्यमियों को भी ढेर सारे फायदे होंगे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खेल/विदेश/कारोबार

पाकिस्तानियों को बचाने के लिए पहुंचे भारत के मार्कोज कमांडो

(एजेन्सी)।

दुनियाभर में अपनी ताकत के लिए महशूर भारत के मरीन कमांडोज यानी मार्कोज ने एक ऐसा ऑपरेशन किया है। जिसकी चर्चा अब हर जगह हो रही है। समुंदर के बीच फंसे पाकिस्तानी ने भारत को पुकारा तो भारत के कमांडोज भी मदद के लिए पहुंच गए। दरअसल, समुंदर के बीचों-बीच 16 लोग बड़ी मुश्किल में फंस गए। इनमें 5 ईरानी, 9 बलूच और दो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के थे। इन लोगों ने मदद के लिए हर तरफ हाथ पैर मार लिया, लेकिन बचाने भारत आया। संयोग देखिए कि बलूचिस्तान और सिंध प्रांत के लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग करते आए हैं। बलूचिस्तान और सिंध प्रांत के लोग हमेशा से बोलते आए हैं कि पाकिस्तान के लिए हमारी जान की कीमत नहीं है और इस बार ये साबित भी हो गया। इन लोगों ने मदद मांगी लेकिन पाकिस्तान बचाने नहीं आया। मगर भारत के कमांडोज बचाने के लिए पहुंचे।

भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत आईएनएस त्रिकंद ने मध्य अरब सागर में एक पाकिस्तानी चालक दल के सदस्य को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। अलर्ट मिलने के समय यह जहाज ओमान तट से करीब 350 समुद्री मील की दूरी पर था। तुरंत कार्रवाई करते हुए, आईएनएस त्रिकांड के चालक दल ने कॉल की जांच की और पाया कि इंजन पर काम करते समय नाव पर सवार एक नाविक की उंगलियों में गंभीर चोटें आई थीं। चोट की गंभीर प्रकृति के कारण, चालक दल के सदस्य को पहले ही एक अन्य ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज, एफवी अब्दुल रहमान हंज़िया में स्थानांतरित कर दिया गया था, जो ईरान की ओर बढ़ रहा था।

आरसीबी ने 10 साल बाद वानखेड़े में मुंबई इंडियंस को हराया

(एजेन्सी)।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच आईपीएल 2025 का 20वां मुकाबला खेला गया। जिसमें आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को 12 रन से हरा दिया। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु ने 10 साल बाद वानखेड़े में मुंबई को हराया है। इसके साथ ही मुंबई की इस सीजन में ये लगातार चौथी हार है। जबकि आरसीबी को 3 जीत मिली है।

आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए, निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 221 रन जुटाए। बेंगलुरु के लिए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों में 8 चौकों और दो छक्कों की मदद से 67 रनों की पारी खेली। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट और कप्तान हार्दिक पंड्या ने दो-दो विकेट झटके। विग्नेश पुथुर ने एक शिकार किया। वहीं जनवरी के बाद प्रतिस्पर्धा क्रिकेट में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कोई विकेट नहीं मिला।

आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही। बोल्ट ने पहले ही ओवर में फिल साल्ट को महज 4 रन पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (22 गेंद में 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की अहम साझेदारी की। कोहली कप्तान रजत पाटीदार के संग तीसरे विकेट के लिए 84 रनों की पार्टनरशिप की। हार्दिक ने 15वें ओवर में कोहली और लियाम लिविंगस्टोन (0) को आउट किया। ऐसे में पाटीदार ने जितेश शर्मा के साथ मोर्चा संभाला और दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन जोड़कप आरसीबी को 200 के पार पहुंचाया। उन्होंने दो चौके और चार छक्के लगाए। बोल्ट ने चार ओवर के स्पेल में 57 रन लुटाए। उन्होंने पहली बार आईपीएल में किसी मैच में पचास से ज्यादा रन खर्च किए।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना पाई और अपना आईपीएल 2025 का चौथा मुकाबला भी हार गई। वहीं टकके लिए तिलक वर्मा ने 29 गेंद में 56 रन और कप्तान हार्दिक पंड्या ने 15 गेंद पर 42 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद पर 28 रन बनाए। विल जैक्स ने 18 गेंद पर 22 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 9 गेंद पर 17 रन बनाए। रेयान रिकल्टन ने 10 गेंद पर 17 रन बनाए। नमन धीर ने 6 गेंद पर 11 रन बनाए। क्रुणाल पंड्या ने 45 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। जोश हेजलवुड और यश दयाल ने 2-2 विकेट झटके। वहीं भुवनेश्वर कुमार को 1 विकेट की संभलता मिली।

सेबी ने रिलायंस सिक्योरिटीज पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया

(एजेन्सी)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को शेयर ब्रोकर मानदंडों का अनुपालन नहीं करने के लिए रिलायंस सिक्योरिटीज पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कंपनी को 45 दिन के भीतर जुमार्ना भरना होगा। यह निर्देश, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा 22 दिसंबर, 2022 से 24 जनवरी, 2023 तक पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर रिलायंस सिक्योरिटीज का निरीक्षण करने के बाद आया है।

इसके तहत यह जांच की गई कि इकाई ने स्टॉक ब्रोकिंग गतिविधियों को संकलित किया है या नहीं। अपनी जांच में, सेबी ने पाया कि रिलायंस सिक्योरिटीज ने तीन मामलों में ग्राहकों को भेजे गए दैनिक मार्जिन ब्योरे में गलत विवरण दिया। इसके अलावा, एक मामले में लेजर बैलेंस को गलत तरीके से रिपोर्ट किया गया था। इसके अतिरिक्त, नियामक ने पाया कि रिलायंस सिक्योरिटीज ने जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण (आरबीएस) दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया, क्योंकि आरबीएस ब्योरे की रिपोर्टिंग करते समय नकद जमानत के लिए आंकड़ों को नहीं रखा गया था।

नियामक ने उल्लेख किया कि ब्रोकिंग कंपनी ने ने कई मामलों में कुछ ग्राहक को अग्रिम जुमार्ना लगाया। नियमों के तहत, सदस्य किसी भी परिस्थिति में ग्राहक पर अग्रिम मार्जिन के कम संग्रह के लिए जुमार्ना नहीं लगाएंगे। इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से, रिलायंस सिक्योरिटीज ने स्टॉक ब्रोकिंग मानदंडों का उल्लंघन किया और नियामक के अनुसार उस पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

(एजेन्सी)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच मुकाबले के दौरान आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इतिहास रच दिया। विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट में अपने 13 हजार रन पूरे कर लिए हैं। विराट कोहली टी20 में ये कारनामा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। विराट कोहली ने 386 पारियों में ये बड़ा कारनामा कर दिखाया है। इसके साथ ही विराट कोहली अब क्रिस गेल, एलेक्स हेल्स और शोएब मलिक जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। विराट कोहली टी20 में 13 हजार रन बनाने वाले ओवरऑल 5वें खिलाड़ी बने हैं। विराट कोहली ने इससे पहले 402 टी20 मैचों में 12983 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जैसे ही उन्होंने 17 रन और बनाए उनके टी20 में 13 हजार रन पूरे हो गए। अब विराट कोहली टी20 में 13 हजार रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ये रिकॉर्ड कोई और भारतीय बल्लेबाज नहीं बना पाया था। विराट कोहली से पहले चार और बल्लेबाज थे जो टी20 में 13 हजरा रन बना चुके थे। अब विराट कोहली भी इन बल्लेबाजों की लिस्ट का हिस्सा बन गए हैं।

आलसी लड़कियों के लिए झटपट वाली मेकअप टिप्स

बीबी क्रीम का इस्तेमाल करें : यदि आपकी सुबह आलसाई हुई होती है, तो प्रॉपर व परफ़ेक्ट बेस पाना दूर का सपना है। इसके साथ अगर आपकी स्किन क्लीयर नहीं है, तब आप टिंटेड मॉइस्चराइज़र या किसी बीबी क्रीम पर भरोसा कर सकती हैं। इन दोनों प्रॉडक्ट्स को नॉर्मल मॉइस्चराइज़र की तरह ही लगाया जा सकता है।

मस्कारा लगाएं : पांडा या पफ़ी आइज़, इसे आप मस्कारा के साथ तैयार कर सकती हैं। मस्कारा आपकी आंखों को बड़ी और पूरी तरह से खुली दिखाने में मदद करता है, जिससे आप उनींदेपन या हैंगओवर के प्रभाव को कम कर सकती हैं। जिस दिन आप सबसे अधिक लेज़ीनेस फ़ील कर रही हों, तो सिर्फ़ जेट ब्लैक मस्कारा लगाएं और अगर आप में थोड़ी-सी भी एनर्जी बची हो, तो कलर्ड आइलाइनर भी आज़मा सकती हैं। अगर लगता है कि यह इन दिनों के

लिए ज़्यादा हो रहा है, तो बस लोअर लैश लाइन पर मस्कारा लगाएं।

काजल से अपनी आंखों को भरें : कोई दूसरे मेकअप प्रॉडक्ट्स तो नहीं, लेकिन काजल आपके लुक में इंस्टेंट बदलाव लाने का काम करता है। अगर आपको आइलाइनर लगाने का मन नहीं है और परफ़ेक्ट विंग्ड लाइनर लगाना हैवी मेकअप लुक दे रहा है, तो अपनी लोअर वॉटर लाइन को काजल से भरें और आप तैयार हैं।

बोल्ड व ब्राइट लिप्स चुनें : जब आप प्रॉपर मेकअप करने के मूड में ना हों, तो अपने होंठों पर बोल्ड लिपस्टिक शेड लगाकर अपने थके हुए चेहरे से ध्यान हटा सकती हैं। बरगंडी, मैजेंटा और डीप रेड शेड्स हर स्किन टोन पर सूट करते हैं।

एक जगह बैठकर करें तितली आसन

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइट के साथ योग भी जरूरी है। अगर आप नियमित तौर पर योग करते हैं तो कई बीमारियों से दूर रह सकते हैं।योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है, बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है योग बहुत ही लाभकारी है।योग न केवल हमारे दिमाग, मस्तिष्क को ही ताकत पहुंचाता है बल्कि हमारी आत्मा को भी शुद्ध करता है।

क्या है तितली आसन

तितली आसन दो शब्दों तितली और आसन से मिलकर बना है।इसका शाब्दिक अर्थ तितली की मुद्रा में बैठना है।इस योग की मुद्रा बद्धकोणासन के समान है।इसलिए कई बार इसे बद्धकोणासन भी समझ लिया जाता है, लेकिन बद्धकोणासन और तितली आसन में बहुत अंतर है।इस मुद्रा में तितली की भांति पैरों को ऊपर-नीचे हिलाते हैं, जबकि बद्धकोणासन में पैरों को जमीन पर रखना होता है।

कैसे करें तितली आसन

- ➤एक योगा मैट लेकर सूर्य की ओर मुखकर आराम मुद्रा में बैठ जाएं।
- ➤इसके बाद अपने दोनों पैरों को आगे की तरफ फैलाएं।
- ➤अब पैरों को मोड़कर घुटनों एवं तलवों को एक दूसरे से मिलाएं।
- ➤आप चाहे तो इस योग को करने के लिए दंडासन मुद्रा में भी बैठ सकते हैं।
- ➤अब आराम मुद्रा में बैठकर अपने हाथों से जांघों को ज़मीन से लगाएं।
- ➤अब दोनों हाथों से पैर के तलवों को पकड़ लें।
- ➤फिर आंख बंदकर तितली की भांति अपने पैरों को हिलाएं।
- ➤इस मुद्रा को कुछ मिनट के लिए करें।

तितली आसन के जबरदस्त लाभ

तनाव दूर करता है, तितली आसन आपकी पीठ के दर्द को ठीक करता है।इसके अलावा यह आपकी मसल्स का तनाव दूर करता है, इसके अभ्यास से ओवरी में ब्लड फ्लो बढ़ाता है, जिससे पीरियड्स नियमित हो जाते हैं और आपको ज्यादा फर्टाइल बनाता है।

आपके प्रजनन अंगों को फायदा पहुंचाता है

नियमित तौर पर तितली आसन करने से सभी प्रजनन अंगों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ा देता है, जिससे आप ज्यादा फर्टाइल बनती हैं।यही नहीं, इससे पीरियड्स भी नियमित हो जाते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए सहायक है

तितली आसन को अंग्रेजी में बटरफ्लाई पोज कहा जाता है।यह गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है।यह आपके पेट और एब्डोमेन में होने वाले दर्द हो मिटाता है।यही नहीं, आपके हिप्स, थाइस और पेल्विक एरिया की एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे डिलीवरी आसानी से होती है।

संगीत और सेहत की संगत

संगीत की ताक़त कितनी है और कहां तक है, अगर संगीत में थोड़ी-बहुत दिलचस्पी है, तो आपको ज़रूर पता होगा. इतिहास की मानें तो तानसेन जब राग मेघ मल्हार गाते थे, तो बारिश होती थी और राग दीपक से दीप जल जाते थे. संगीत की सकारात्मकता हमारी सेहत को भी फ़ायदा पहुंचाती है, और शायद इसीलिए हवा, पानी, नदी, समुद्र, पक्षी और हम इंसानों के भीतर क़ुदरतन संगीत भरी हुई है.

तय है संगीत सुनने का समय

वैदिक संगीत पाठों में यह निर्देश दिया गया है कि सुबह, दोपहर और शाम के लिए कौन-सा राग उपयुक्त है. दोपहर के बाद वात अपने शिखर पर पहुंच जाता है, तब अधिक शांत संगीत सुनना चाहिए, यह शरीर की थकावट को दूर कर सकता है और मस्तिष्क के तनाव को कम करता है. यदि उचित रूप से इन्हें सुना जाए तो कई रोगों से बचा जा सकता है.

दस मिनट का संगीत और पाएं सेहतमंद शरीर

यदि आप अपने रक्तचाप को कम करना चाहते हैं, तो हल्के, मंद शास्त्रीय संगीत को सुनना अच्छा होता. कई तरह के शारीरिक दोषों को स्वरों से संतुलित और असंतुलित किया जाता है. यदि आप सोने की कोशिश करते हैं, पर आपका मस्तिष्क अभी भी चिंतन कर रहा है और नींद नहीं आ रही है, तो आप संगीत सुनकर इस परेशानी को दूर कर सकते हैं. संगीत को अपनी दिनचर्या में शामिल करके कुछ हद तक आम परेशानियों को दूर किया जा सकता है.

संगीत सुनने का सही तरीक़ा?

संगीत सुनने के लिए अपनी आंखें बंद करके शांत बैठ जाएं और अपना ध्यान संगीत की तरफ़ लगाएं. अगर आपका मन भटके तो इसे आराम से संगीत पर ले आएं. वही संगीत सुनें, जो आपकी प्रकृति से मेल खाता हो. यह पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक भारतीय राग और वर्तमान समय का संगीत भी हो सकता है. यदि संगीत सुनने से आप ख़ुद को ख़ुश, हल्का और एनर्जेटिक महसूस कर रहे हैं, तो समझ जाएं कि संगीत अपना काम कर रहा है.

हेल्दी और फिट रहने के लिए रोज खाएं नट्स

ड्राई फ्रूट्स खाने के अपने फायदे हैं. नट्स का रोजाना सेवन शरीर के लिए अच्छा है क्योंकि ये आवश्यक पोषक तत्वों से भरे होते हैं और तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं. सर्दियों में नट्स शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं. ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन और खनिजों से भरे हुए हैं. लेकिन इनके इतने फायदों के बाद भी आपके लिए यह जानना जरूरी है कि इनमें से रोजाना कौन से नट्स खाए जाएं जो आपको हेल्दी और फिट रखें. हम आपको बता रहे हैं रोज चलते-फिर- ते चबाने लायक बेस्ट पांच नट्स के बारे में, जो आपकी सेहत को सबसे अधिक फायदा पहुंचाएंगे.

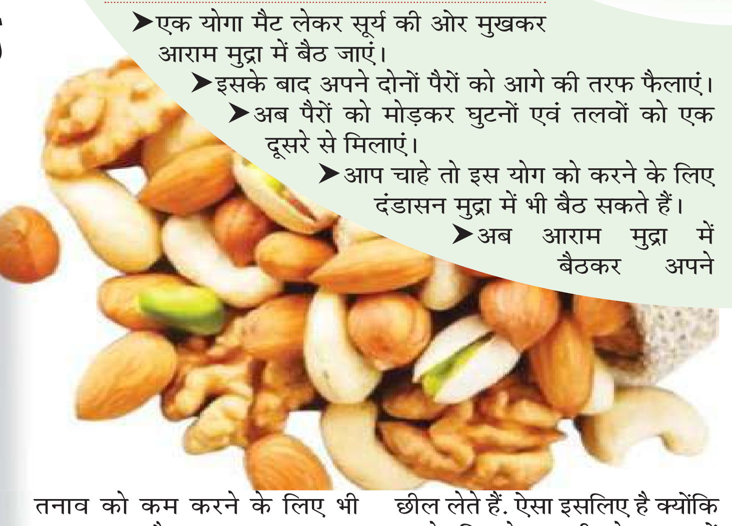

पिंगल फल (Hazelnuts)

पिंगल फल (Hazelnuts) इसे पहाड़ी बादाम भी कहते हैं, लेकिन इसे अखरोट (Walnut) समझने की भूल न करें. ये विटामिन ई, हेल्दी फैट और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. इसके साथ ही ये मैग्नीशियम और तांबा जैसे आवश्यक खनिजों का एक अच्छा स्रोत भी हैं.

अखरोट (Walnuts)

अखरोट (Walnut) शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कंट्रोल करने और हार्ट को हेल्दी रखने में असरदार होता है. उन्हें आंत में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाने और दिमाग के ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने के लिए भी जाना जाता है.

काजू (Cashews)

आमतौर पर काजू (Cashews) सबसे अधिक खाए जाने वाले नट्स में से एक है. ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन और स्वस्थ वसा से समृद्ध हैं और अक्सर कई तरह के मीठे व्यंजनों के स्वाद को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है.

बादाम (Almonds)

लोग अक्सर बादाम (Almond) को रात भर भिगोकर रखते हैं और अगली सुबह उन्हें खाने से पहले छील लेते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि इसके छिलके जरूरी पोषक तत्वों के अवशोषण रोकते हैं. बादाम का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा है क्योंकि ये फाइबर, विटामिन ई, प्रोटीन और असंतृप्त वसा का एक समृद्ध स्रोत हैं.

पिस्ता (Pistachios)

पिस्ता खाने में स्वादिष्ट होता है और सेहत को इसके कई फायदे हैं. ये एंटीऑक्सिडेंट से भरे होते हैं जो प्रतिरक्षा को बढ़ाने और विभिन्न हृदय रोगों को रोकने में मदद करते हैं.

कच्चे नारियल के ढेरों सेहत लाभ

नारियल एक ऐसा फल है जो पूजा में जितना महत्वपूर्ण और शुभ माना जाता है, उतना ही सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इतना ज्यादा फायदेमंद कि जानकर आपको हैरानी होगी। विटामिन और मिनरल से भरपूर होने के कारण नारियल एक सुपरफूड है जो आपकी सेहत समस्याओं को दूर करने में मददगार है। इसमें ऐसे कई पोषक तत्व हैं जो आपकी सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

- **गर्मी को खत्म करता है –** शरीर या पेट में बढ़ रही गर्मी को कम करने के लिए नारियल खाना फायदेमंद होता है। आप चाहें तो इसके लिए नारियल पानी या नारियल क्रश भी ले सकते हैं जो गजब का असर दिखाएगा।
- **भरपूर नींद –** तनाव भरी जिंदगी में नींद नहीं आने की समस्या आजकल आम होती जा रही है। अगर आप भी अनिद्रा की समस्या से परेशान हैं तो रात को खाना खाने के आधे घंटे बाद नारियल का एक टुकड़ा जरूर खाएं। फिर देखिए कैसे नींद आती है।
- **पाचन होगा बेहतर –** फाइबर से भरपूर कच्चा नारियल आपके पाचन तंत्र को बेहतर कर कब्ज जैसी समस्या को खत्म करेगा, जिससे पेट अच्छी तरह साफ होगा।
- **वजन होगा कम –** रोजाना कच्चे नारियल का सेवन न केवल आपकी भूख को कंट्रोल कर मेटाबॉलिज्म को बेहतर करेगा, बल्कि शरीर में जमे अतिरिक्त वसा को भी जलाने में मदद करेगा।
- **दिल रहेगा दुरुस्त –** नारियल सैचुरेटेड फैट से भरपूर है, इसलिए अगर आप रोजाना नारियल का एक टुकड़ा खाते हैं, तो यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखेगा और बुरे कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करेगा कंट्रोल में रहेगा।

इस समय भूलकर भी न पीएं पानी

खाना खाने के दौरान पानी पीने पाचन क्रिया पर असर पड़ता है। ऐसा करने से पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और शरीर में मोटापा बढ़ने लगता है। ज्यादा पानी पीने के कारण पेट में गैस्ट्रिक जूस बनने लगता है। इसके कारण पेट में गैस और अपच जैसी समस्या होने लगती है। साथ ही सीने में जलन की भी शिकायत हो सकती है।

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से नुकसान

- आयुर्वेद के अनुसार खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीना घातक हो सकता है।
- तुरंत बाद पानी पीने से खाना सही तरह से पच नहीं पाता है। जिसकी वजह से वह खाना अमाशय में इकट्ठा होने लगता है।
- अमाशय में खाना इकट्ठा होने के कारण व्यक्ति को गैस और एसिडिटी जैसी तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
- खाना खाते वक्त पानी पीने से बॉडी में इंसुलिन का लेवल बढ़ने लगता है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए घातक है।

रखें इन बातों का ध्यान

- खाना खाने के एक घंटे पहले या बाद तक पानी नहीं पीना चाहिए।
- स्पाइसी खाना खाने के दौरान जरा सा भी पानी न पिएं।
- खाने को अच्छे से चबा-चबाकर खाएं। इससे खाने का पाचन अच्छी तरह होगा।

...तो ग्रीन-टी का असर हो जाएगा दोगुना

नींबू : विटामिन-सी से भरपूर नींबू में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण भी शामिल होते हैं। ग्रीन-टी में इसकी स्वाद अनुसार इसकी कुछ बूंदें मिलाकर पीने से इसका दोगुना फायदा मिलता है। इससे इम्यू-निटी बढ़ने में मदद मिलती है। सर्दी, खांसी, मौसमी बीमारियों से बचाव रहने के साथ अन्य गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है। डायबि-टीज, ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। साथ ही पेट, कमर व जांघ आदि पर जमा एक्स्ट्रा चर्बी कम होकर शरीर शेप में आता है।

दालचीनी : सुनने में शायद आपको अजीब लगेगा मगर आप ग्रीन-टी में दालचीनी मिलाकर सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सी-डेंट, एंटी-वायरल गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होकर वजन कंट्रोल में रहता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

शहद : शहद पोषक तत्वों के साथ एंटी-ऑक्सीजेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल आदि गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसे ग्रीन-टी में मिलाकर पीने से नेचुरल शुगर मिलने के साथ इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलेगी। शरीर में मौजूद गंदगी बाहर निकलने के साथ मौसमी बीमारियों से बचाव रहेगा। शरीर स्वस्थ रहने के साथ स्किन पर ग्लो आने में मदद मिलेगी।

अदरक : अदरक का रस ग्रीन-टी में मिलाकर पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण तनाव कम करके दिमाग को शांत करने में मदद करते हैं। ऐसे में मूड सही रहता है। साथ ही बॉडी डिटॉक्स होने में मदद मिलती है। इसके अलावा सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द की शिकायत से आराम मिलता है।

प्याज के छिलकों में छिपा सेहत और सौन्दर्य

बैड कोलेस्ट्राल कम करने में मदद करता है

इसके लिए आपको प्याज के छिलकों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखना है और सुबह इस पानी को पीना है। इसका स्वाद आपको जरूर अच्छा नहीं लगेगा, इसलिए आप चाहें तो इसमें शहद या चीनी मिलाकर भी पी सकते हैं। रोजाना इसके सेवन से आपको कुछ दिनों में फर्क जरूर नजर आएगा है।

त्वचा की एलर्जी से राहत दिलाएगा

यदि आपको त्वचा में किसी चीज से एलर्जी है तो आप ऊपर बताई गई विधि से ही प्याज के छिलकों का पानी बनाएं अब इस पानी से रोजाना अपनी त्वचा साफ करें।

बालों को बनाऐ खूबसूरत

आप बालों को चमकदार बनाने के लिए कई तरह के कंडी-शनर इस्तेमाल करती हैं, तो अब से आप प्याज के छिलकों का पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार हो जाएंगे।

चेहरे के दाग-धब्बे हटाएं

चेहरे के दाग-धब्बे से निजात पाने के लिए आप प्याज के रसयुक्त छिलके का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप प्याज के छिलके में हल्दी मिलाकर दाग-धब्बे वाली जगह पर लगाएं। जल्द ही आपको फर्क दिखेगा।

आज की रेसिपी

अमृतसरी छोले भटूरे

सामग्री :

- 1 कप काबुली चने (रात भर भिगाए हुए), 1 टीस्पून चाय पत्ती, सूखा आवंला, 1 तेजपता, 1 दालचीनी, 2 इलाइची, 1 टी स्पून जीरा, 1 बड़ी इलाइची, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी स्पून धनिया पाउडर, 1 टी स्पून जीरा पाउडर, 3 लौंग, 5 काली मिर्च, 1 कप पानी, 2 टमाटर , टुकड़ों में कटे, 1 गुच्छा हरा धनिया, 2 प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ, लहसुन, अदरक, नमक स्वादानुसार

भटूरे के लिए सामग्री

- 1 टी स्पून यीस्ट, 1/2 टी स्पून चीनी, 1/2 टी स्पून नमक, 2 कप मैदा

विधि :

- छोले को सबसे पहले कुकर में चाय पत्ती सूखे आवंला डालकर उबाल लें. अब एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें. तेल गर्म होने पर इसमें तेजपत्ता, दालचीनी, जीरा, काली मिर्च लौंग डालें. अब इसमें लहसुन, अदरक डालें. इसके बाद प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें. अब इसमें हल्दी, लाल मिर्च, धनिया, जीरा पाउडर नमक डालकर अच्छे से मिलाएं. अब इस मिश्रण में पानी मिलाते हुए इसमें उबले हुए छोले (छोले में से चायपत्ती अलग कर दें) कटा हुआ टमाटर डालें. इसे अच्छे से मिलाने के बाद 10 मिनट तक पकने दें. अब हरा धनिया डालकर सर्व करें.

भटूरे बनाने के लिए

- एक बाउल में यीस्ट डालें इसमें थोड़ी चीनी पानी मिलाएं. एक बड़े बर्तन में मैदा लें उसमें नमक डालें यीस्ट को मिक्स कर दें. अब इसमें हल्का सा मिक्स करके पानी मिलाएं. इसका एक नरम आटा गूंथ लें. अब इस आटे को गीले कपड़े से ढककर 3 से 4 घंटे के लिए हल्के गर्म स्थान पर छोड़ दें ताकि उसमें खमीर आ जाए. इसके बाद थोड़ा सा आटा लेकर इसे बेल लें. अब एक कड़ाही में तेल गर्म करके इन्हें फ्राई कर लें गर्मागर्म अमृतसरी छोले भटूरे सर्व करें.

मासिक धर्म की समस्याओं में हरा धनिया फायदेमंद

धनिया लगभग सभी घरों में पाया जाता है। कुछ लोग हरे धनिये का उपयोग करते हैं तो कुछ हरे और सूखे दोनों का। हरी धनिया का उपयोग चटनी या सब्जी में किया जाता है। धनिया पत्ता सिरप पीने से पेशाब की जलन, प्यास, आंखों में जलन, दस्त और गैस होती है और मन प्रसन्न रहता है। आइए जानते हैं हरे धनिये के और भी फायदे।

आँखों के लिए फायदेमंद

धनिया आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। थोड़े से धनिये को पीसकर, पानी में उबालें, ठंडा करें, इसे एक मोटे कपड़े से छान लें और इसे एक बोतल में भर दें। इसकी दो बूंद आंखों में डालने से जलन, दर्द और आंखों से पानी आना जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अपने भोजन में हरे धनिये के नियमित उपयोग से आँखों की ज्योति बढ़ती है। क्योंकि हरा धनिया विटामिन ए से भरपूर होता है जो आंखों के लिए बहुत आवश्यक है।

मासिक धर्म में फायदेमंद

यदि मासिक धर्म का रक्तस्राव सामान्य से अधिक हो तो आधा लीटर पानी में 6 ग्राम धनिया को थोड़ी सी चीनी के साथ उबालें और थोड़ा ठंडा होने पर इस पानी को पिएं, लाभ होगा। वहीं, धनिया महिलाओं में होने वाली सभी मासिक धर्म समस्याओं को दूर करता है।

मधुमेह में लाभकारी

धनिया मधुमेह को नष्ट करने के लिए भी कहा जाता है। यह मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए वरदान है। इसका नियमित सेवन रक्त में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित करता है।

अगर तरक्की करना चाहते हैं तो घर में लगाएं ये पौधे

वास्तु के अनुसार, घर में कुछ विशेष पेड़-पौधों का होना शुभ होता है। ये पेड़-पौधे घर की तरक्की में सहायक होते हैं। ये पेड़-पौधे घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। इनके प्रभाव से घर में आमदनी बढ़ती है और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार घर में कौनसे पेड़-पौधे शुभ होते हैं।

केले के पेड़ को ईशान कोण में लगाने से धन-धान्य में वृद्धि होती है। इसके पास यदि तुलसी का पौधा लगाया जाए, तो भगवान विष्णु के साथ-साथ देवी लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। केले में भगवान विष्णु और तुलसी में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है।

अशोक के पेड़ को हम सजावट के लिए लगाते हैं, लेकिन घर में इसे स्थान देने से प्रसन्नता प्राप्त होती रहती है और शोक दूर होता है। यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सौहार्द्र को बढ़ाता है।

फेंगुशुई के अनुसार, घर के आसपास बांस का पौधा या घर के अंदर उसका बोन्साई रूप लगाने से समृद्धि और तरक्की होती है। इसके साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

घर में हल्दी का पौधा लगाना भी शुभ होता है। यह पौधा गुणकारी और चमत्कारी होता है। घर में आंवले का पेड़ लगाने और रोजाना उसकी पूजा करने से सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आंवले के पेड़ को घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना लाभकारी है।

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का खास महत्व है। तुलसी के पौधे को एक तरह से लक्ष्मी का रूप माना गया है। घर में यदि किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा है, तो तुलसी का पौधा उसे नष्ट करता है। बेलपत्र का पौधा भगवान शिव को बेहद पसंद है, माना जाता है कि इस पर स्वयं भगवान शिव का वास होता है।

कोताही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई: योगेंद्र राणा

संजना भारती संवाददाता

असंध। नगरपालिका असंध में बजट की मीटिंग सोमवार को दोबारा हुई। नवनियुक्त प्रधान सुनीता रानी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक योगेंद्र राणा ने शिरकत की। बैठक के दौरान बजट पर गहनता से चर्चा की गई। जिसमें कुछ खामियां भी मिली। जिसको लेकर विधायक योगेंद्र राणा ने अधिकारियों को साफ शब्दों में कहा कि बजट को लेकर अधिकारी किसी प्रकार की कोताही ना बरते। अगर कोई शिकायत मिली तो किसी को बख्शा नहीं जायेगा।

13 करोड़ रुपए से होंगे विकास कार्य: शहर में गलियों, नालियों, वैध कॉलोनी में कार्य करने, शहर में सीसीटीवी कैमरों की खामियां, विकास कार्यों, स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए 13 करोड़ रुपए के बजट का ऐलान किया गया।

अधिकारियों ने शहर के पुराने अधूरे पड़े कार्यों को लेकर बजट पर चर्चा की। वहीं शहर की गलियों के नवीनीकरण और स्वागत गेटों पर चर्चा हुई। विधायक योगेंद्र राणा ने जब अधिकारियों से सभी कामों और ठेकेदारों से बारे में जानकारी मांगी तो अधिकारी कोई भी स्पष्ट जवाब नहीं ले पाए। इसको लेकर विधायक ने अधिकारियों को काम में पारदर्शिता लाने की नसीहत दे डाली और फटकार लगाते हुए कहा हर काम की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

सीसीटीवी कैमरों के रख रखाव का मुद्दा भी उठा: बजट के दौरान विधायक योगेंद्र राणा के सामने शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों का मुद्दा भी उठाया गया। करोड़ों रुपए की लागत से लगाएं गए कमरों की स्थिति बिल्कुल डैमेज हो चुकी है। जिस कंपनी को टेंडर दिया गया था वो भी कही दिखाई नहीं पड़ती। शहर की सुरक्षा का जिम्मा लेनी वाली नगरपालिका बिल्कुल भी सही नहीं है।

प्रोपर्टी आईडी का मुद्दा उठाया पार्षदों ने: विधायक योगेंद्र राणा के सामने कई पार्षदों ने प्रोपर्टी आईडी में बड़े घपले होने का मुद्दा भी उठाया। पार्षदों ने कहा कि प्रोपर्टी आईडी बनाने के लिए लोगों से मोटे पैसे की वसूली की जाती है। जिसको लेकर कई बार शिकायत भी लेकिन कोई हाल नहीं निकला। पार्षदों ने कहा कि जो संबंधित अधिकारी है वहीं लाखों रुपए कमा रहे है। जिसपर विधायक ने तुरंत अधिकारी की जिम्मेदारी बदलने के लिए नपा सचिव को आदेश दिया।

अपने चहेते ठेकेदारों को दिए जाते है टेंडर: पार्षदों ने आरोप लगाया कि अधिकारी अपने चहेते ठेकेदारों को सभी टेंडर देते है। अगर पार्षद कुछ काम के लिए ठेकेदारों को बोलते है तो वह नपा अधिकारियों से मिलकर आने के लिए बोलते है। काम की गुणवता पर भी सवाल खड़े किए गए है। ऐसे में अधिकारी भी कुछ बोलने से बचते हुए नजर आये। विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि सभी ठेकेदारों को काम बांटकर मिलना चाहिए अगर किसी को काम ज्यादा दिया जाता ही तो अधिकारी भी इसके लिए तैयार रहे। काम जनता के पैसे से हो रहा है। उसको बर्बाद नहीं होने देंगे।

हर पार्षद को दो दो काम करवाने पर हुई सहमति: 13 करोड़ रुपए के बजट में सालवन चौंक पर बन रहा कॉम्प्लेक्स अधूरा पड़ा हुआ था। जिसको लेकर अब 50 लाख रुपए का टेंडर तैयार किया गया है। वह हर एक पार्षद को उसके वरदबके दो दो काम प्राथमिकता के साथ करवाने की अनुमति दी गई है। काम में पारदर्शिता लाने के लिए पार्षदों और अधिकारियों के साथ साथ आम नागरिक को भी जिम्मेदारी दिखानी होगी।

इस अवसर पर नपा चेयरमैन सुनीता रानी, नपा सचिव प्रदीप जैन, नपा अभियंता अशोक कुमार, पार्षद सीमांत शर्मा, जगदीश गुप्ता, मेजर सिंह, राजेंद्र ढींगड़ा, रजनी गर्ग सहित अन्य मौजूद रहे।

किड्स प्ले स्कुल बच्चों का सुनहरा भविष्य बनाने में होगा मददगार: मनदीप सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। बाला जी कालोनी में किड्स वैली प्ले स्कुल का उद्धघाटन पर बतौर मुख्यातिथि असंध के पूर्व में रहे एसडीएम मनदीप सिंह और पानीपत हैफेड शुगर मिल प्रबंधक पहुंचे। इस दौरान हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पानीपत हैफेड शुगर मिल प्रबंधक मनदीप ने कहा कि किड्स वैली प्ले स्कुल इस क्षेत्र के रहने वाले बच्चो के लिए बेहतर साबित होगा और स्कुल में दी गई सुविधाओं से छोटे छोटे बच्चों का सुनहरा भविष्य बनाने में मददगार होगा। किड्स वैली प्ले स्कुल के निदेशक विनोद कंसल ने बताया की किड्स वैली प्ले स्कुल खुलने से शहर के बच्चो के साथ-साथ आसपास के गांवों के बच्चो को स्कुल ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध करवाएगा ताकि जो शहर के बच्चो को सुविधा मिलती हे वो ग्रामीण एरिया के बच्चो को भी सुविधा मिलेगी।

स्कूल संचालक रामरूप और प्रेम छाबड़ा ने बताया की यहां प्ले ग्रुप नर्सरी व एलकेजी बच्चो की पढ़ाई होगी। उन्होने कहा की छोटे छोटे बच्चो को शिक्षा देना सामान्य शिक्षा से जटिल होता है इसलिए स्कूल में वेलट्रेंड स्टाफ है जो बच्चो की माँ से भी ज्यादा केयर करते है।

नपा प्रशासन राजौंद ने दादा खेड़ा के पास पीला पंजा चला कर अवैध निर्माण ढ़हाया

अवैध निर्माण ढहाने व सीलिंग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी: नपा सचिव

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। नपा प्रशासन राजौंद ने सोमवार को कैथल असंध मार्ग पर दादा खेड़ा के पास अवैध निमार्णाधीन तीन दुकानों पर पीला पंजा चलाया। अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई का ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ बिजली विभाग राजौंद योगेश कुमार को बनाया गया था। नपा प्रशासन की ओर से जेई अश्वनी कुमार, भवन निरीक्षक अशोक कुमार, सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार सहित नगरपालिका का कार्यालय स्टाफ, सफाई कर्मचारी, राजौंद पुलिस दल बल सहित पहुंचे। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा उपयुक्त कैथल की मीटिंग में होने के कारण मौके पर नहीं पहुंच पाए। नपा सचिव ने फोन पर बताया कि नागरिक प्रताप ने दादा खेडा के पास मेन रोड पर नपा की जमीन पर अवैध कब्जा करके दुकान निर्माण कार्य किया जा रहा था। बार बार नोटिस जारी करने के बाद भी अवैध निर्माण कार्य बंद नही किया तो उच्चाधिकारियों के निर्देश से अवैध निर्माण हटाया गया है। सचिव ने कहा कि नागरिक प्रताप ने किसी और स्थान का डेवलपमेंट चार्ज व अन्य शुल्क जमा करवर कर, इस स्थान पर अवैध निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। वह दूसरे लोगों को भी गुमराह कर रहा था। जबकि इस स्थान पर तालाब था। जिसका नक्शा नगर पालिका के पास है। मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्य मार्ग पर खेड़े वाली गली के नजदीक नगर पालिका प्रशासन द्वारा तीन दुकानों पर पीला पंजा चला कर अवैध कब्जा हटाया गया। नागरिक प्रताप राणा ने बताया कि यह मेरी लाल डोरे की जमीन है। हम काफी दिनों से यहां रहते हैं, राणा ने कहां कि नगर पालिका प्रशासन ने इस जमीन बारे जो हमसे जवाब मांगा, मैने कागज कार्रवाई के साथ जवाब दिया। मेरे पास जमीन के सभी कागज नगर पालिका में टैक्स जमा कागजात, नक्शा पास करवाया आदि सभी कागजात है। अब तीन दुकानों पर लेंटर डालने की तैयारी थी, नगरपालिका ने मेरे को बार-बार नोटिस देकर आज मेरी दुकानों पर पीला पंजा चला कर तुड़वा दिया गया। उसने कहा कि वह आगे यह मामला कोर्ट में लेजा कर अपना हक ले कर रहूंगा। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट योगेश कुमार ने बताया कि यह तालाब की जमीन थी, इस पर कब्जा किया हुआ था, इसको कई बार नोटिस भी दिए गए थे, यह अपना निर्माण कार्य रोक नहीं रहा था, इसलिए इस पर कार्रवाई की गई है।

मौके पर जेई अश्विनी कुमार, भवन निरिक्षक अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, थाना राजौद पुलिस प्रशासन की टीम मौजूद थी।

नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि अवैध कब्जा पर सीलिंग की कार्रवाई व पीले पंजे की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जो लोग नया भवन निर्माण कर रहे हैं उन्हें नगर पालिका से नक्शा पास करवा कर के ही भवन निर्माण कार्य करना चाहिए, अन्यथा नगर पालिका को पीला पंजा चलाने के लिए विवश होना पड़ेगा।

बीज व दवा विक्रेताओं के लिए बना कानून वापस ले सरकार: महेंद्र गोयल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। खाद बीज और कीटनाशक की बिक्री पर नये कानून का सोमवार को असंध के बीज विक्रेताओं ने अपनी दुकानें बंद रखकर अपना विरोध जताया। सीड पेस्टेसाइट फर्टिलाइजर डीलर एसोसिएशन के ब्लॉक प्रधान महेंद्र गोयल ने कहा कि इस कठोर कानून से लाखों लोग बेरोजगारी की कगार पर पहुंच जाएंगे और इस कानून से कीटनाशक, खाद और बीज उत्पादकों और विक्रेताओं की कमर टूट जाएगी। उन्होंने कहा कि बीज व दवा विक्रेताओं के लिए बना कानून सरकार वापस ले।

गोयल ने कहा कि यह नया कानून बीज और कीटनाशक विक्रेताओं का जीना दूभर कर देगा। इससे सारा कारोबार चौपट हो जाएगा। बीज और कीटनाशक का कारोबार ठप होने से कृषि उपज भी बुरी तरह प्रभावित होगी।

जब तक असंध को जिला नहीं बनाया जाएगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा: शेरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जब तक असंध को जिला नहीं बनाया जाएगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा ।असंध क्षेत्र के लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए करनाल, पानीपत,कैथल व कुरुक्षेत्र जाना पड़ता है। जिस कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उपरोक्त विचार हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने करनाल रोड स्थित कार्यालय में कार्यकताओं की मासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहे । मंच का संचालन संदीप सिंह ने किया। बैठक में कार्यकताओं ने बिजली की बढ़ाई गई दरों को वापस लेने की मांग की । कार्यकताओं ने कांग्रेस हाईकमान से मांग करते हुए कहा कि शीघ्र ही पार्टी का संगठन बनाया जाए । शेरी ने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र ही असंध को जिला नहीं बनाया तो संघर्ष तेज कर दिया जाएगा। असंध को जिला बनाने के लिए मुहिम चलाई जाएगी और लोगों को मुहिम के साथ जोड़ा जाएगा । यदि बिजली दरों को वापस नहीं लिया और असंध को जिला नहीं बनाया तो प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस नेता कहा कि बिजली की दरों में की गई बढ़ोतरी को लेकर भी लोगों में रोष है। किसान नेता गुरनाम सिंह दनौली ने कहा कि किसानों को लागत के आधार पर फसल का लाभकारी मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि फसल का लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जाए । बैठक में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए दिलबाग सिंह नंबरदार,श्याम पाल रोहिल्ला, डॉ मांगे राम हुड्डा, सुखबीर सिंधड, बलजिंदर सिंह, सिराजुद्दीन दूपेडी व युद्धवीर खेड़ी शर्फअली ने भी अपने विचार रखें।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह द्वारा केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात

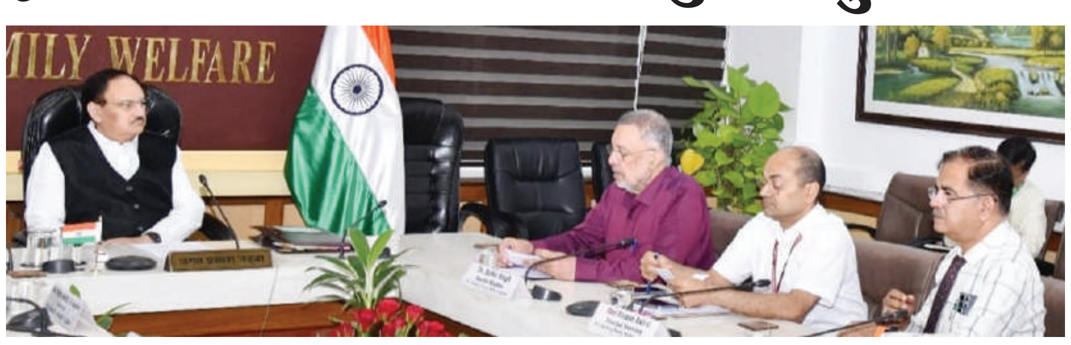

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/नई दिल्ली। पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह द्वारा आज केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से अपील की गई कि ई-फार्मेसियों को नियमित करने के लिए सख्त नियम लाये जाए, खासकर ताकि मनोवैज्ञानिक बीमारियों के इलाज से संबंधित दवाएं (सायकॉट्रॉपिक दवाएं) बिना डॉक्टर की पर्ची के बेची न जा सकें। पंजाब के कैबिनेट मंत्री द्वारा की गई यह अपील पंजाब द्वारा नशों के खिलाफ शुरू की गई मुहिम से सम्बंधित है और ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और नारकोटिक ड्रग्स और सायकॉट्रॉपिक सब्स्टेंस एक्ट 1985, जो ऐसी दवाओं की बिक्री को नियमित करते हैं, के नियमों की रोशनी में है। डॉ. बलबीर सिंह द्वारा यह मुद्दा यहां के निर्माण भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक के दौरान उठाया गया।

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की गई यह अपील ऑनलाइन प्लेटफार्मों के दुरुपयोग से संबंधित है। उन्होंने इस जरूरत पर जोर दिया कि सख्त नियम यह सुनिश्चित करेंगे कि ये दवाएं केवल मेडिकल निगरानी में उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब में नशों के खिलाफ चल रही बड़ी पैमाने की मुहिम को और मजबूती मिलेगी। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इस मामले पर सहमति व्यक्त की गई।

आयुष्मान बीमा योजना तहत पंजाब की स्वास्थ्य एजेंसी के केंद्र से बकाया फंडों के मुद्दे पर भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा योजना को सफलतापूर्वक चलाने के लिए करीब 54 करोड़ रुपए जारी करने के लिए सहमति दी गई है। श्री नड्डा ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को आश्वस्त किया कि करीब 50 करोड़ रुपए आने वाले हफ्तों/महीनों में कुछ औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जारी कर दिए जाएंगे।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि पंजाब में दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए चल रही मुहिम को इस कदम से मजबूती मिलेगी क्योंकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा प्रेगाबालिन और टेपेंटाडोल को ड्रग रूल 1945 की सूची एच-1 में शामिल करने के प्रस्ताव पर सहमति दे दी गई है।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री ने श्री नड्डा को सूचित किया कि प्रेगाबालिन, जिसका विशेष उपयोग मानसिक दर्द और एपीलेप्सी और टेपेंटाडोल के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं क्योंकि इनके पंजाब और अन्य स्थानों पर दुरुपयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सख्त कदम उठाने पर जोर देते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा इनकी बड़े पैमाने पर जब्ती की जा चुकी है, जिसमें 2024 में प्रेगाबालिन की 5 करोड़ से अधिक की जब्ती की गई है। उन्होंने कहा कि इन दवाओं को सूची एच-1 में दर्ज करके इसकी बिक्री केवल पंजीकृत डॉक्टरों की पर्ची के माध्यम से नियंत्रित की जा सकेगी और फार्मेसियों द्वारा इनका रिकॉर्ड रखा जाएगा ताकि इनके दुरुपयोग को पूरी तरह से रोका जा सके।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नशों की बुराई से निपटने के लिए पंजाब द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की गई और प्रदेश द्वारा लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों का उनके मंत्रालय द्वारा समर्थन करने की वचनबद्धता दोहराई गई। ड्रग्स नियमों के लिए यह संशोधन प्रक्रियाएँ पूरी होने के बाद जल्दी ही नोटीफाई किए जाने की संभावना है। मंत्रालय द्वारा इस क्षेत्र से जुड़े भागीदारों, स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने वालों और फार्मेसियों से अपील की गई है कि वे लागू होने पर नियमों का पूर्ण पालन करें।

बाइक चोरी मामले में चौकी पूंडरी पुलिस द्वारा आरोपी काबू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/पूंडरी। पुलिस अधिक्षक कैथल राजेश कालिया के निर्देश अनुसार कैथल जिले की पुलिस अलर्ट मोड़ में है।

पूंडरी चौंकी पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरों पर शिकंजा कसते हुए एक बाइक चोर को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पूंडरी निवासी सोनू की शिकायत अनुसार 26 अगस्त 2024 को उसकी बाइक पूंडरी से अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया था। जिस बारे थाना पूंडरी में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच चौकी पूंडरी पुलिस के एचसी जरनैल सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव हाबड़ी निवासी पवन कुमार उर्फ पारस को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी द्वारा उक्त बाइक चोरी की वारदात को अंजाम

पुलिस अधीक्षक कैथल राजेश कालिया।

देना कबूल किया गया। बाइक की बरामदगी सहित व्यापक पूछताछ के लिए आरोपी का न्यायालय से पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा।

सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएंगे संघठन पर्व

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिला दिल्ली प्रदेश द्वारा प्रेस वार्ता कर संगठन पर्व और भाजपा के स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में मीडिया को संबोधित किया गया। मीडिया प्रभारी दीपक चौहान ने सभी मीडिया बन्धुओं का अभिनंदन करते हुए जिला महामंत्री गुलाब सिंह राठौड़ संगठन पर्व एवं स्थापना दिवस जिला संयोजक सूर्यकांत तिवारी सहसंयोजक नवनीता गुड़िया एवं प्रचार मंत्री जसवीर डयाला की उपस्थिति में मीडिया के समक्ष सम्बोधन रखा। सभी ने बारी-बारी आने वाले सेवा पखवाड़े के बारे में अवगत कराया।

जिला महामंत्री गुलाब सिंह राठौड़ ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और इस पार्टी का हर कार्यकर्ता निरंतर परिश्रम में लगा रहता है अभी हाल में ही दिल्ली चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बदौलत भाजपा ने सरकार बनाई है अभी भी संगठन द्वारा दिए हुए कार्यों में कार्यकर्ता पूरी तरह अपना योगदान दे रहा है इस कार्यक्रम के संयोजक सूर्यकांत तिवारी ने बताया कि आगामी दिनों में संगठन सेवा पखवाड़े के रूप में बड़े-बड़े आयोजन करने जा रहा है जिसमें बुद्धिजीवी सम्मेलन चलो गांव की ओर जैसे कार्यक्रम संलग्न रहेंगे। 6 अप्रैल जिला कार्यालय पर भव्य तरीके से भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिला स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाएगा जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम फूल मिठाइयां बांटकर 6अप्रैल 2025 यादगार बनाएंगे।

मीडिया प्रभारी दीपक चौहान ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़ समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया व प्रथम अध्यक्ष श्री अटल बिहारी वाजपेई निर्वाचित हुए थे। भाजपा पार्टी का गठन 6 अप्रैल 1980 को हुआ परंतु इसका इतिहास भारतीय जन संघ से जुड़ा है।

दिल्ली में भी 27 वर्षों के लंबे अंतराल के भाजपा ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई है और दिल्ली जो कि भारत की राजधानी है इसके विकास की गति को देने के लिए भाजपा सरकार संकल्पित है। नवनिता गुड़िया ने कहा कि सह संयोजक के तौर पर आने वाले दिनों में सेवा पखवाड़ा में जो भी मुझे कार्य दिए जाएंगे मैं उसे पर खरी उतरूगी व संगठन को मजबूत करने के लिए मैं अपना सर्वोच्च योगदान दूंगी।

रामनवमी पर भंडारा सह सम्मान समारोह का आयोजन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के महान समाजसेवी सह एयरफोर्स से सेवानिवृत्त वरीय पदाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी ने चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को अपने निजी आवास आनंद भवन के परिसर में भंडारा महाप्रसाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। उक्त मौके पर चंद्रप्रकाश सिंह उर्फ आनंद जी ने कहा कि हम तेघड़ा विधानसभा के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित है। बेरोजगारों को रोजगार दिलाने महिलाओं और युवतियों को निःशुल्क

सिलाई कटाई का प्रशिक्षण दिलाकर स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रहे हैं। सीपी सिंह ने आगंतुक अतिथियों एवं पत्रकारों को सम्मानित किया।साथ ही एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पंजाब सरकार ने स्कूलों की नुहार बदली: जय कृष्ण सिंह रौड़ी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/गढ़शंकर/होशियारपुर। पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत 4 सरकारी स्कूलों में शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों से रूबरू होते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए शिक्षा एक प्राथमिकता क्षेत्र है, जिसकी निगरानी करते हुए पंजाब में स्कूलों की नुहार बदली गई है। उन्होंने कहा कि आज गढ़शंकर हलके के चार स्कूलों में 81.36 लाख रुपए की लागत वाले कार्यों का उद्घाटन किया गया, जिससे छात्रों को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल बीरमपुर, सरकारी हाई स्कूल बीरमपुर, सरकारी एलिमेंट्री स्कूल हाजीपुर, सरकारी प्राइमरी स्कूल रामपुर बिलड़ों में विभिन्न पूर्ण हो चुके कार्यों का उद्घाटन करते हुए डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए गए हैं, जिनमें छात्रों में बुनियादी कौशल को मजबूत करना, शिक्षण विधियों में समयानुसार बदलाव, मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठकें, शिक्षा विभाग के प्रिंसिपलों, हेडमास्टरों और शिक्षकों को विदेशों में प्रशिक्षण मुख्य रूप से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्कूल ऑफ एमिनेंस और स्कूल ऑफ ब्रिलियंस की स्थापना, 425 प्राइमरी स्कूलों को स्कूल ऑफ हैप्पीनेस में बदलना और स्कूलों में बुनियादी ढांचे को नई रूप-रेखा के माध्यम से छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा सुविधाएं दी जा रही हैं।

डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल बीरमपुर में 51.97 लाख रुपए की लागत वाले और सरकारी हाई स्कूल बीरमपुर में 4.88 लाख रुपए की लागत वाले कार्यों का उद्घाटन करते हुए कहा कि बीरमपुर स्कूल बुनियादी ढांचे के लिहाज से क्षेत्र में मिसाल है और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

दो दिवसीय उर्स ए पाक मेला का आयोजन आज से

संजना भारती संवाददाता

अकबरनगर। नपं अकबरनगर के रसीदपुर में मोहम्मद अली शाह रहमततुल्लाह अलेहै के 48 वां उर्स ए पाक मंगलवार यानि आज से आयोजन होगा। उर्स का आयोजन 8 एव 9 अप्रैल को होगा। जिसके लिए उर्स कमेटी के सारे सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। उर्स को लेकर मंगलवार को चादरपोशी व उसके बाद चादर गश्त का कार्यक्रम होगा।रात में कुछ देर के लिए मौलाना द्वारा इजहार-ए-ख्याल का कार्यक्रम होगा। उर्स को लेकर बाहर से जायरीनों भी मेला मे शामिल होंगे।उर्स को लेकर दोनों समुदाय के बुद्धिजीवी लोगों को बाहर से आए जायरीनों की सुरक्षा करने की जिम्मेवारी दी गई। कमिटी की ओर से मेला में सुरक्षा व्यवस्था व व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए दर्जन की संख्या में वोलेंटियर तैनात किया जाएगा। वही उर्श को लेकर मस्जिद को आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

क्षेत्र का समग्र विकास हीं हमारी प्राथमिकता: इन्द्रनाथ मिश्र

संजना भारती संवाददाता/मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। प्रयागराज यमुना नगर विकास खण्ड कौंधियारा के ग्राम सभा बारी बजहिया के मजरा बगहा में ललऊ राम चौबे मार्ग का लोकार्पण कौंधियारा ब्लाक प्रमुख इन्द्रनाथ मिश्र के कर कमलों द्वारा किया गया। कई सालों से ग्राम देवी के चौरा से लेकर ललऊ राम चौबे के मकान तक रास्ता नहीं था स्थानीय लोगों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ब्लाक प्रमुख के प्रयास से ईटंरलाकींग का निर्माण हो सका इसी संदर्भ में आज प्रमुख कौंधियारा ने इंटरलाकिंग का लोकार्पण किया गया। इन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि श्रेत्र का समग्र विकास हीं हमारी प्राथमिकता है। ललऊ राम चौबे ने कहा कि हमारे घर के पास रास्ता न होने के कारण आने जाने में काफी दिक्कतो का सामना मोहल्ले के लोगों को हों रहा था जों अब ब्लाक प्रमुख इन्द्रनाथ मिश्र के प्रयास से पुरा हुआ।

11 को पटना में होने वाली बिहार बदलाव रैली को लेकर हुई बैठक

एसबी ब्यूरो

बछवाड़ा(बेगूसराय)। जन सुराज पार्टी द्वारा आगामी 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में होने वाली बिहार बदलाव रैली की तैयारियों को लेकर सोमवार को बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी सह भावी प्रत्याशी अशोक कुमार चौधरी के निजी आवास रसीदपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.रजनीश सिंह थे। उन्होंने भी अपनी वक्तव्य को रखा।उक्त बैठक में कई सदस्यों ने भाग लिया। जहां पार्टी के पदाधिकारियों ने रैली की सफलता के लिए रणनीति बनाई और संगठनात्मक मजबूती पर चर्चा की। वहीं अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि यह बिहार बदलाव रैली वैसे लोगों के लिए हैं।जो शिक्षा के लिए पलायन कर रहे हैं। रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं।जिन्हें बिहार में सही स्वास्थ्य की सेवा नहीं मिल रही है।यह परिवर्तन रैली वैसे प्रताड़ित लोगों के लिए हैं। बैठक में सभी उपस्थित लोगों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ बिहार बदलाव रैली को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। मौके पर गोपाल पोद्दार, मंजेश चौधरी, पैक्स अध्यक्ष अखिलेश चौधरी, राजेश कुमार, मनीष कुमार चौधरी, संजीव कुमार, राजेश कुमार दास, देवेंद्र चौधरी, सहित अन्य लोग मौजूद थे।